बरसे बदरिया सावन की।
सावन की , मन – भावन की ।।
सावन में उमग्यो मेरो मनवा , भनक सुनी हरि आवन की।
उमड़ – घुमड़ चहुँदिस से आया , दामिन दमकै झर लावन की ।।
नन्हीं – नन्हीं बूँदन मेहा बरसे , शीतल पवन सुहावन की।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर ! आनंद – मंगल गावन की ।।

प्रश्न 1. उपर्युक्त पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन है?
(क) भादो
(ख) सावन
(ग) आषाढ़
(घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न 2. सावन के महीने में किसका मन उमंग से भर जाता है?
(क) मीराबाई का
(ख) यशोदा का
(ग) कृष्ण का
(घ) गोपियों का

प्रश्न 3. 'उमग्यो' शब्द से क्या अर्थ है?
(क) उमंग आना
(ख) मन भा जाना
(ग) उत्साहित होना
(घ) खुश होना

प्रश्न 4. चारों दिशाओं से उमड़ – घुमड़ कर क्या आ रहे हैं?
(क) उत्साहित
(ख) उमंग
(ग) हवा
(घ) बादल

प्रश्न 5. वर्षा ऋतु में क्या सुहावना लगता है?
(क) बारिश
(ख) शीतल पवन
(ग) बिजली
(घ) मौसम

LIVEWORKSHEETS